

राज
कॉमिक्स

मूल्य 15.00 संख्या 250

नागराज और लाल मौत

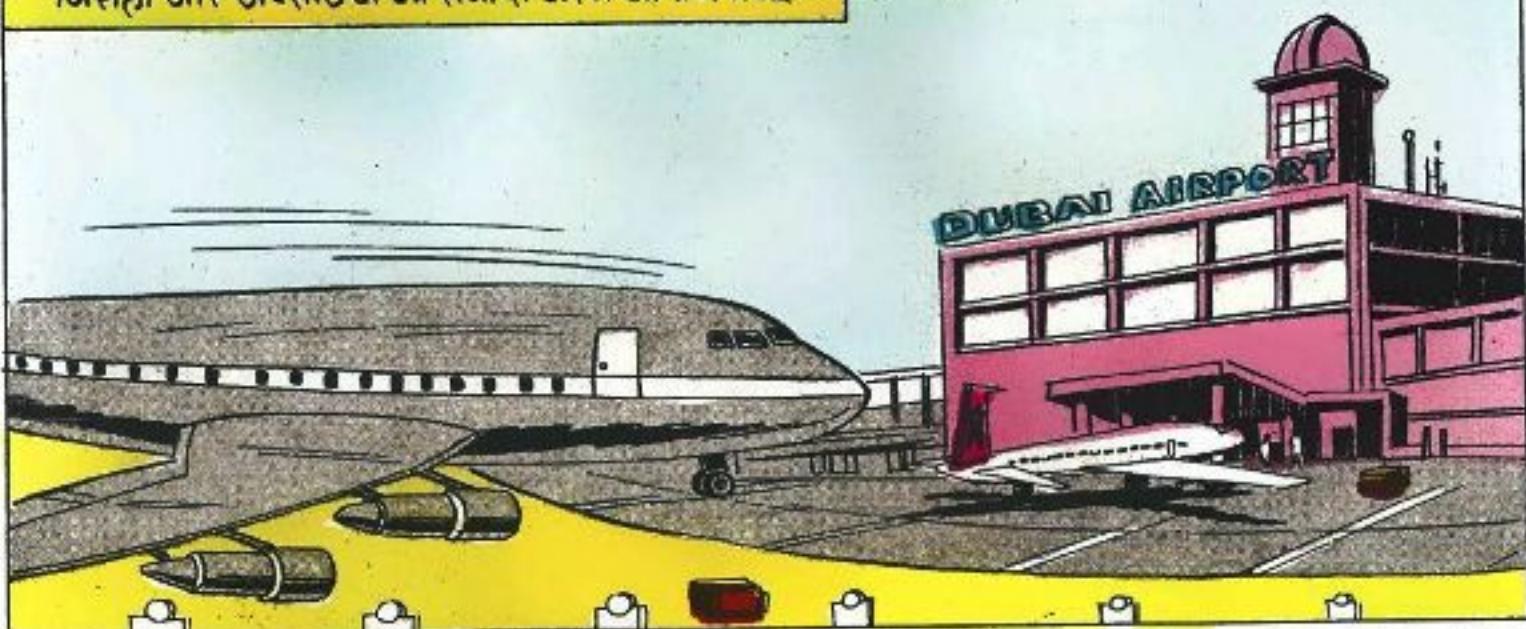
मुफ्त
नागराज का एक पोस्टर



दापरजा और लाल बीत

लेखक : तंसुणकुमार गही
 सर्वपात्र : मनीष चन्द्र गुप्त
 कलानिर्देशक : प्रताप सुल्लीक
 चित्र : चंदू
 सुलेसव : पुष्पा पालवणकर

जागराज ! बच्चों का दोस्त ! अपसाथियों का दुझमन ! विद्यु से खतरबाक आतंकवादी
 गोरोहों और अपसाथियों को समाप्त करने का प्रण लिए... .



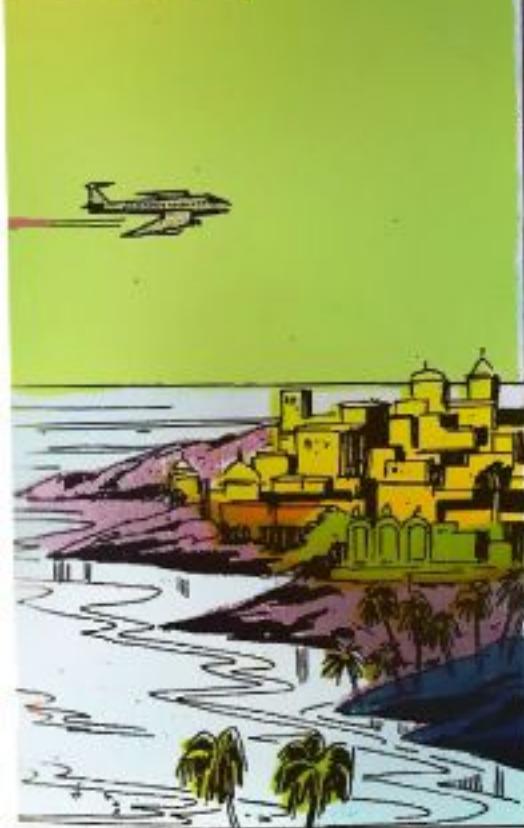
... दुखही आ पहुंचा -



तुर्की! संयुक्त अमेरिका के सात प्रान्तों में से एक - समुद्र से इस एक समृद्धशाली द्वीप -

दुर्भी! अपने भीतर तेतून के अल्लाह स्मरेट स्वाड़ी देशों का एक गौरव, जिसका द्वासन वहां के अमीर अल्लाह स्वारी के हाथों में था -

लगाता स्वातंत्र्य! अमीर अल्लाह स्वारी की हकाबोती पुर्णी! जो अपने गौरिद के साथ साक्षिय स्पष्ट से राजनीति में प्रवेश कर चुकी थी -



युसुफ खिल अली स्वान - उर्फ YBAK



युसुफ खिल अली स्वान और राष्ट्रीय छातिर अपनाई! दुनिया भर में उसका जानवरों की स्वालों, सींगों व बेदाकी मती हाथी दंत का उचित व्यापार चलता था -



अमीर अल्लाह स्वारी की हत्या कर ...



००० यूसुफ खिल अलीस्वालने दुबई की सत्ता हाथों पर लाली-



सत्ता परिवर्तन के पश्चात अपने विरोधियों को समाप्त करने के बाद यूसुफ को तत्वाधारी स्थान की-

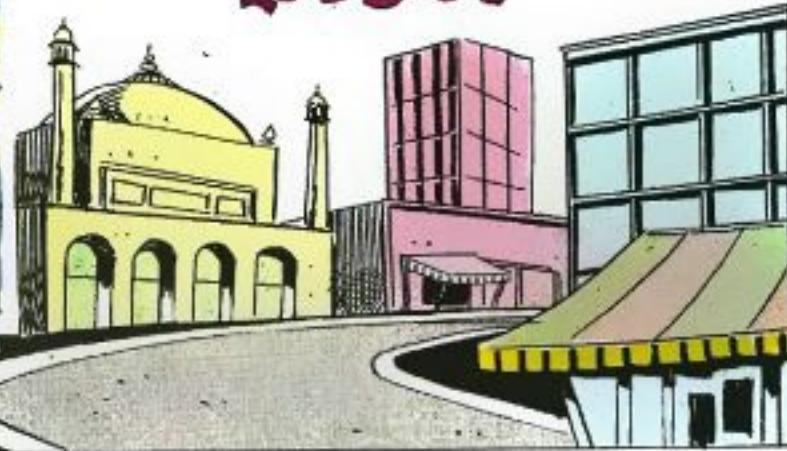


जबकि रुएबा एक संकटकालीन बंकर में जा उपी पी थी-



यूसुफ का आतंक सौत के सायरन के स्थान में जब गृजता तो बाहर में कफ्चू भगजाता और -

कृत्तुर



मौत का काफिला यूसुफ के विरोधियों को रोंदने चल पड़ता -



जाल मौत - युसुफ बिन अली प्रधान के महल के चारों तरफ फैली मौत। जो छस्ती पर पड़ती जासी आहट पर झपट पड़ती थी-

आह!



आहट चाहे आदमीके कदमों की हो या तोपके पहिए की-



जाल मौत के पंजों से कोई नहीं बच सकता।

नागराज को इतना सब बताकर कोल्ड ड्रिंक वाला खामोश हो गया-

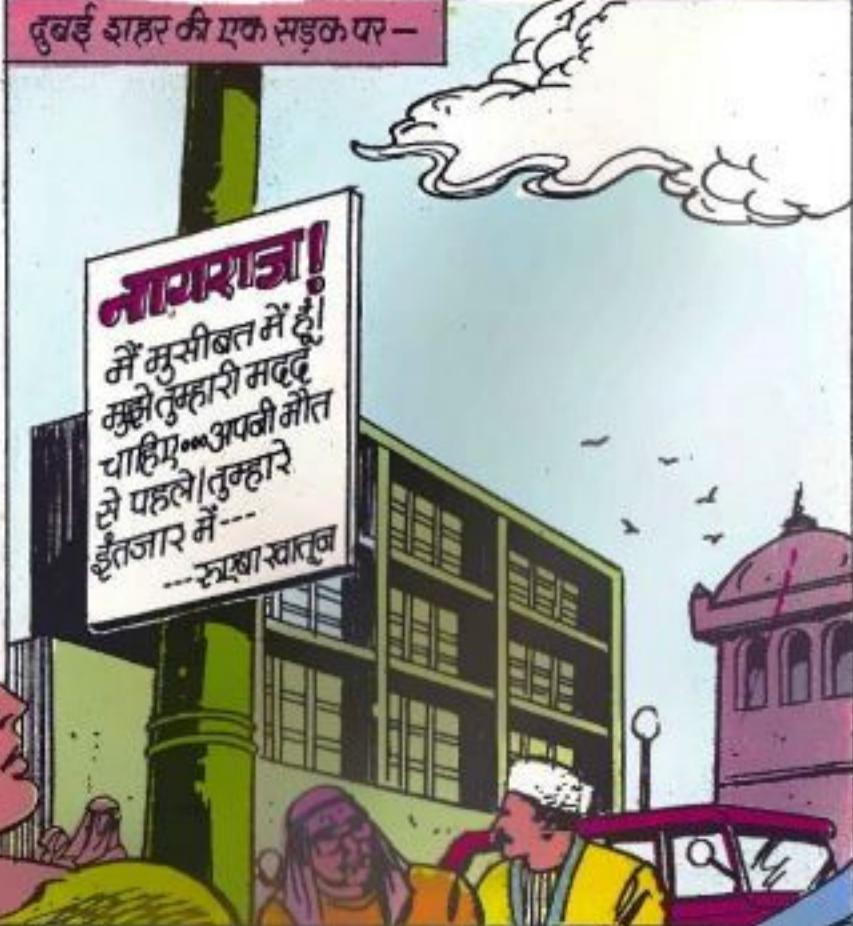
इन्द्रियवाद दोस्त!
तुमने मुझे युसुफ के बारे में बहुत जानकारी दी।

इन्द्रियवाद कैसा जागराज, तुम भी तो हमें युसुफ बिन से किजात दिलाने उबर्द आये हो।



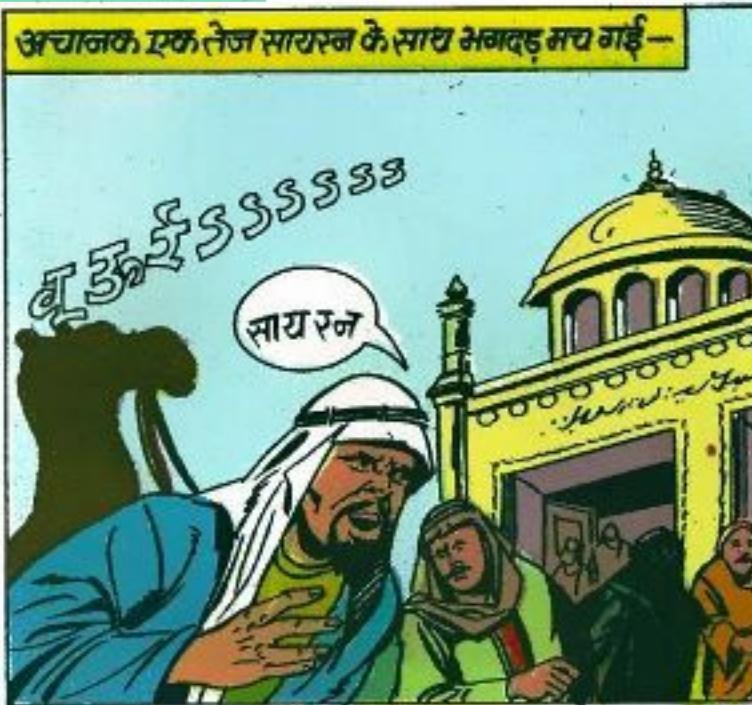
रुखा स्यातुज़?
ओह तो इसे भी पता चल गया कि मैं दुर्जई आ चुका हूं।

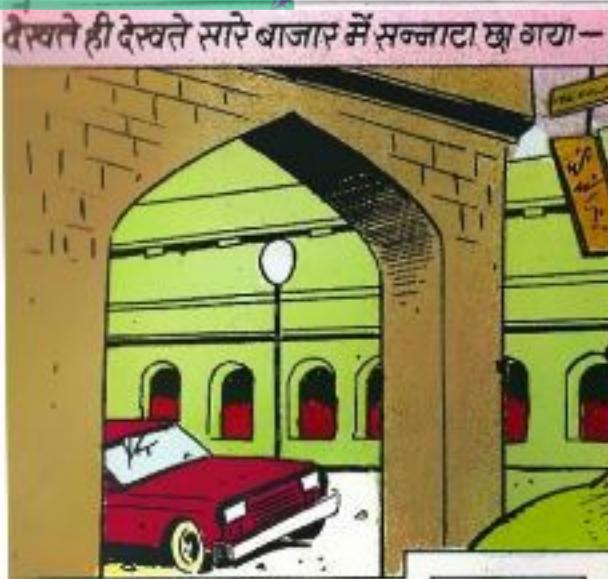
दुर्जई शाहर की एक सड़क पर-



जगह-जगह मेरे नाम के पोस्टर लगे हैं। मुझे रुखा को दुर्जई उसकी मदद करनी होगी।







इसका मतलब यूसुफ
विज अली खान को रुपजा खातून
का पता मिल गया है।



द्राहविंग के बिन के फोजी चौके पढ़े—



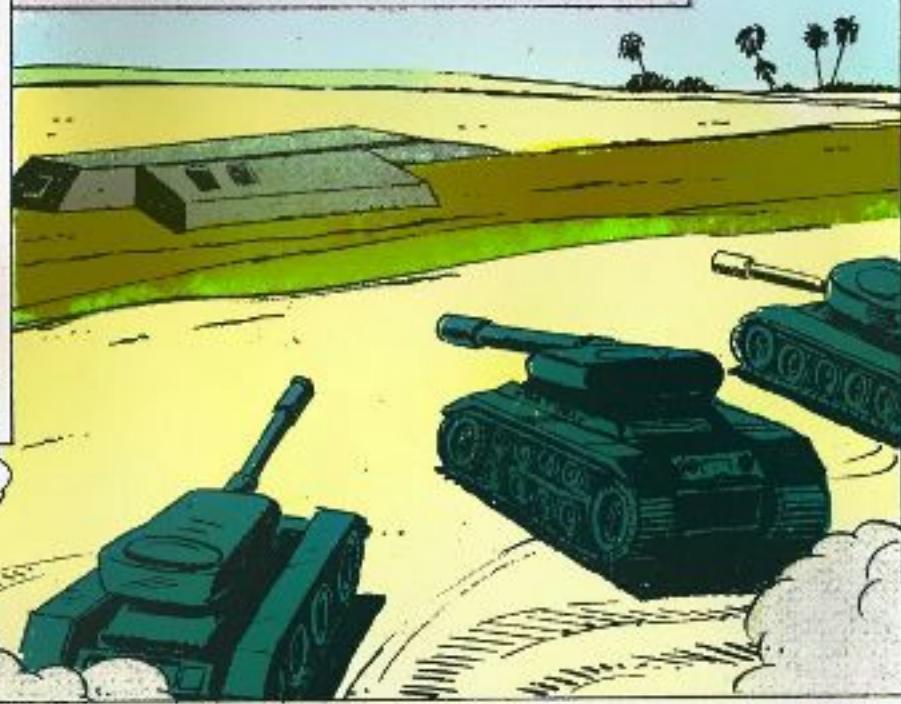
अबरने ही पल विजयी सी घमकी—



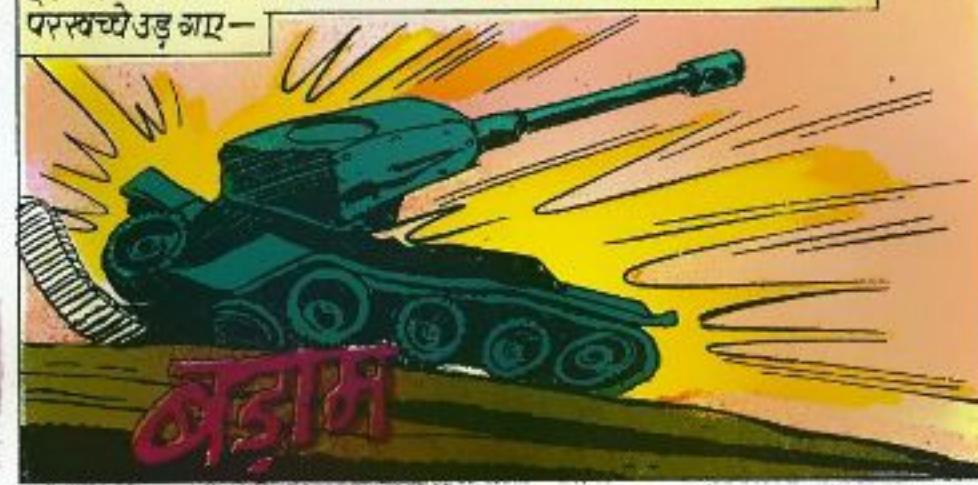
अब ट्रक नागराज के लियर्प्रण में था—



शीघ्र ही नागराज कोउसके प्रद्वज का उत्तर मिल्य गया—



इसी क्षण एक भयानक विस्फोट के साथ बंकर की ओर बढ़ते एक ट्रैक के पास रख्ये हुड़ गए—



YBAK कमांडर का गवाहसभी संदेश -

सारथाज/आगे
बालूदी सुरंगो हैं। पोजीशन
लो।



उसी समय बंकर में बीस मीटर नीचे -

मैडम! बालूदी सुरंगो ने
YBAK फोर्स के एक टैंक
को उड़ा दिया है।



तभी एक चेतावनी प्रसारित होने लगी -

लखा! हम जानते हैं कि तुम इस बंकर में थिये हो। मेरे तीन गिनजे तक अपने आपको हमारे हवाले कर दो...।



रुक

सिस्टर मनसुख!
तीन की गिनती से पूर्व
ही इन्हें जबाब देना
होगा।





सबकी आतंकित जिगाहें टी.वी. स्क्रीन पर चिपकी थीं—



और उस समय सबकी आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं—



उत्तेजित सी हुई चीख यड़ी रुक्खा —



जबकि उसी समय बाहर जागराज की सर्प सेना तखाही मचा रही थी—



उथए लिफ्ट के नास्ते रुप्खा भीषण गोलीबारी करती हुई बंकर से बाहर निकल आई—



पलक क्षपकते ही लगाए लाशों के ढेर के बीच रुप्खा गर्ज उठी—



धूल र धाएं के बुखार में खड़ी रुप्खा एकाएक चीखती चली गई—



मैं तुम्हारे पास ही हूं रुप्खा!



बुरी तरह उखलकर उसने आगराज की दिशा में देखा –



न जाने किस मावजा में बहकर रुखा नागराज से खिपट गई –



तभी –



सहस्रा कुछ याद आते ही रुखा दहशत में स्वर में चैल्साई –



बंकर प्रबर्यांकारी छिस्फोट के साथ एक हजार वर्ग मीटिंग तक क्षेत्र को मलबे के ढेर में बदलता चला गया –



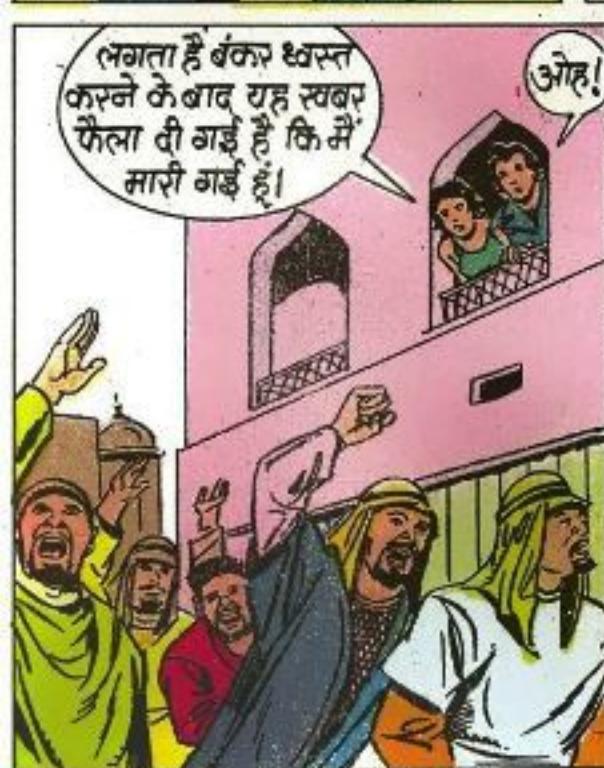
वागराज व रुद्रा सुरादीत एक टीले पर रहे हैं—



लोकिन एक बात मेरी
समझ में नहीं आई रुद्रा कि
यूसुफ को तुमसे क्या खत्ता
हो सकता है?

सता दिन
जाने का
स्वतंत्रा।





प्रौज ने भीड़ को चारों तरफ से घेर लिया—



YBAC फोर्स कमांडर का प्रस्तुतकारी आदेश गूंज उठा—

भूज डालो इन
गद्दारों को।



लेकिन हमसे पूर्व कि एक भी गोली चल पाती—



मीड़ ये करिश्मा देखकर रवी सी लड़ी थी—

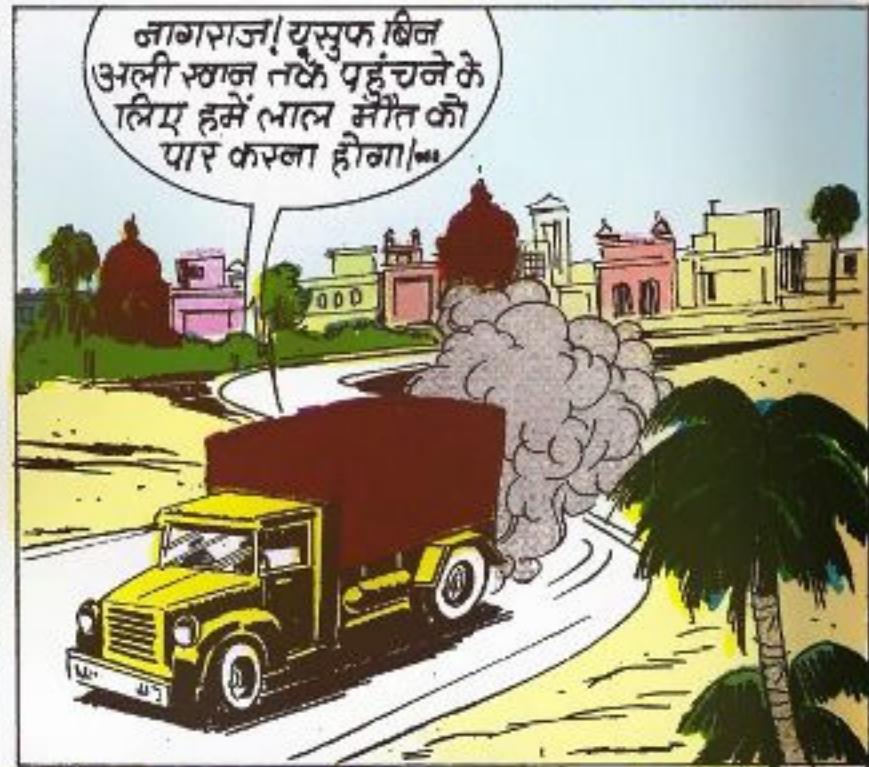


ये सांप तो
नागराज के ही हो
सकते हैं।











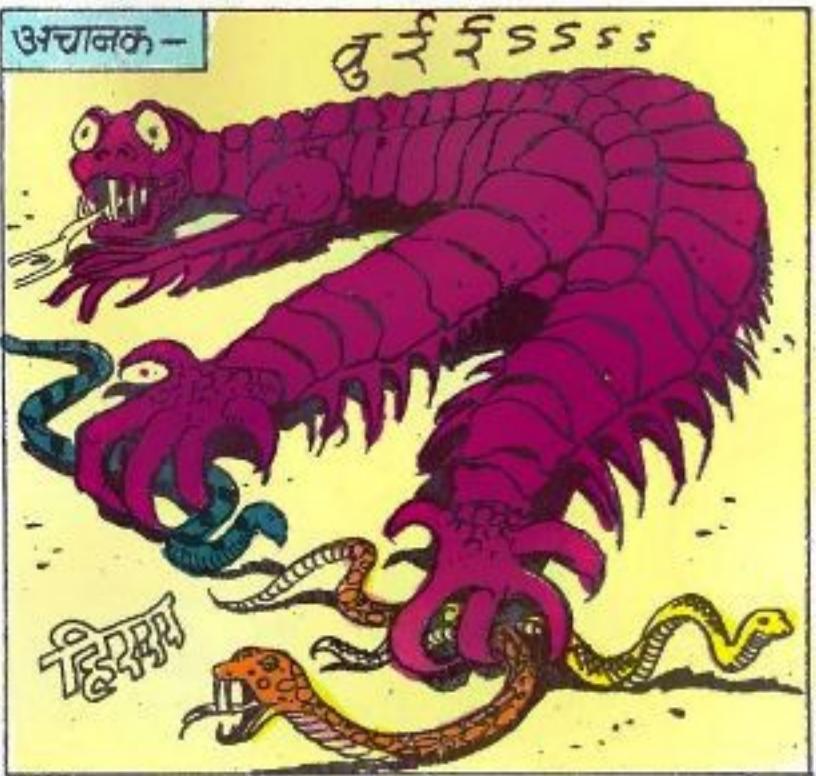
जागराज ने अपने रक्षक रेगीस्तान में छोड़ दिये -



सांपों का पीछा करते दोनों अगे बढ़ते गए -



अचानक -



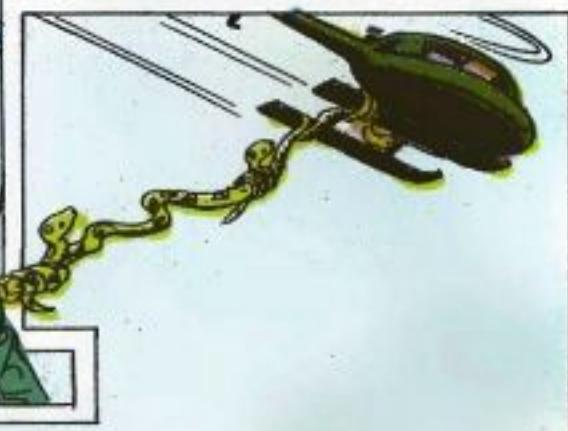
पलक फ़्लायर्स के साथ ही नागराज ने अपने तीनों
अंगारक्षकों को गायब पाया -



इससे पहले कि बमउनपर गिरकर
उजके जिस्मों के चीथड़े उड़ा देता—



उखलते ही
नागरस्सी हवा
में ल्यकी—



यह देख यूसुफ बिन अली स्थान की आंखें फट पड़ीं—



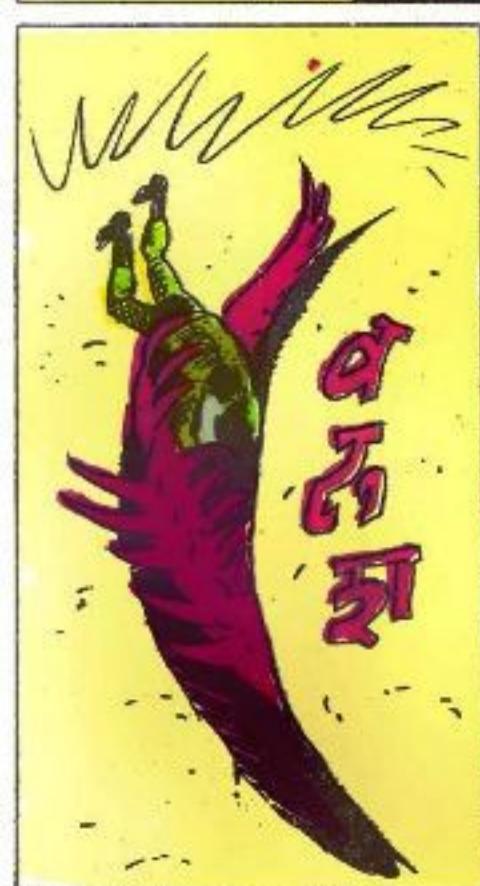
ठीक इसी पल—





भास मौत हेलीकॉप्टर के साथ उसमें रखे हए कुछ बमोंकी भी साथ लेकर जमीन के अंदर गई थी।



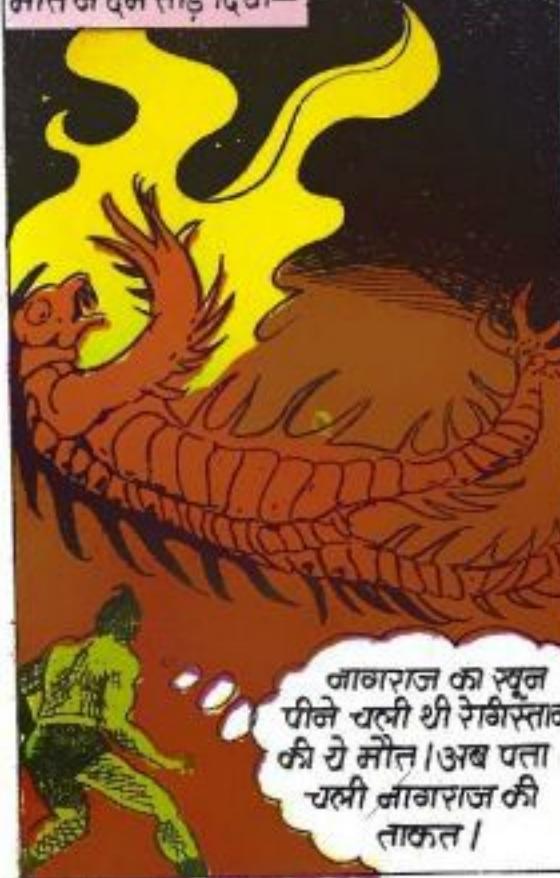


राज का मिक्स

हैलीकॉप्टर से सीढ़ी गिरादी गई—



नागराज के ढारीर के जहर की न छोल सकी भास्म मौत / नागराज के देस्वते की देस्वते भास्म मौत ने दम तोड़ दिया—



पर नागराज तो इथरलाल मौत से उलझा था—

ओह! ये मुझे रेत की चीज़ इस सुरंग में रखी चली है।

और अब मेरा सून बीके की चेष्टा कर रही है।



अचानक चौंक पड़ा नागराज—

ठीक उसी समय बाहर—

हा हा हा! नागराज को मैंने स्वतंत्र कर दिया। रुद्धा! तुम भी मेरे साथ चलोगी हा हा हा!



ठीक इसी पल -

उफ!
यह क्या?



जागराज
लाल मौत के पंजों
से बच निकलना। नहीं!
ये नहीं ही सकता।
कभी नहीं।



जागराजसी पर छढ़ता हुआ जागराज युसुफ तक जा पहुंचा -



युसुफ बिन अली
स्वाज! तेरी लाल मौत
जागराज का विष
एचा नहीं पाई।

नहीं!





यसुफ ने बेहद तेजी के साथ नाशज के जबड़े पर घुसा जड़ दिया—



सिर की टक्कर—



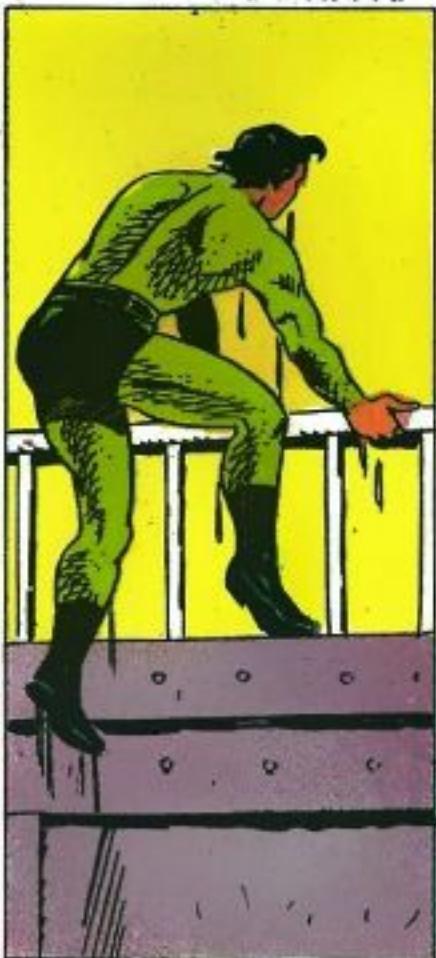
इस बार नाशज ने घुसे को रोक लिया—





जागराज भी समुद्र में कूद गया—





बोकेंक नागराज वहाँ कहा था।
वह तो यहाँ था, चलती स्लिपर
के नीचे लटका हुआ—



गीरते ही यूसुफ ने अपना अंतिम हाथ गार छहर निकाल
लिया और गर्ज पड़ा—



हा हा हा हा!
मैं जानता हूँ नागराज
कि अब तुम मुझे जीवित
नहीं छोड़ोगे। लेकिन मेरे
साथ-साथ इस तेल कुण्ड
साहित तुम भी नहीं
बचोगे। हा हा हा।



पलक ह्यपकने के साथ ही यूसुफ ने बम नागराज की ओर उछाल फेंका—

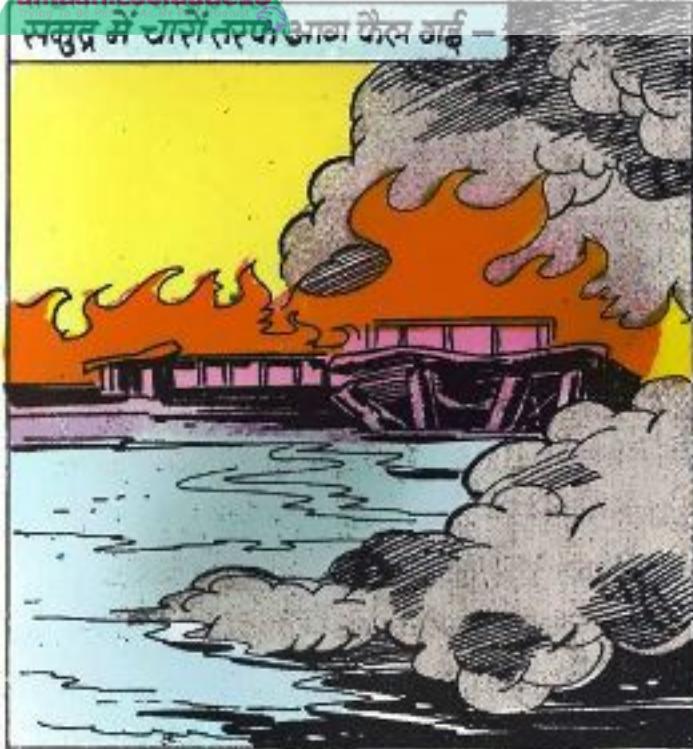


भीषण विस्फोट से समुद्र का सीजा कीट उठा—



समुद्र में चारों तरफ आग पैरत गई -

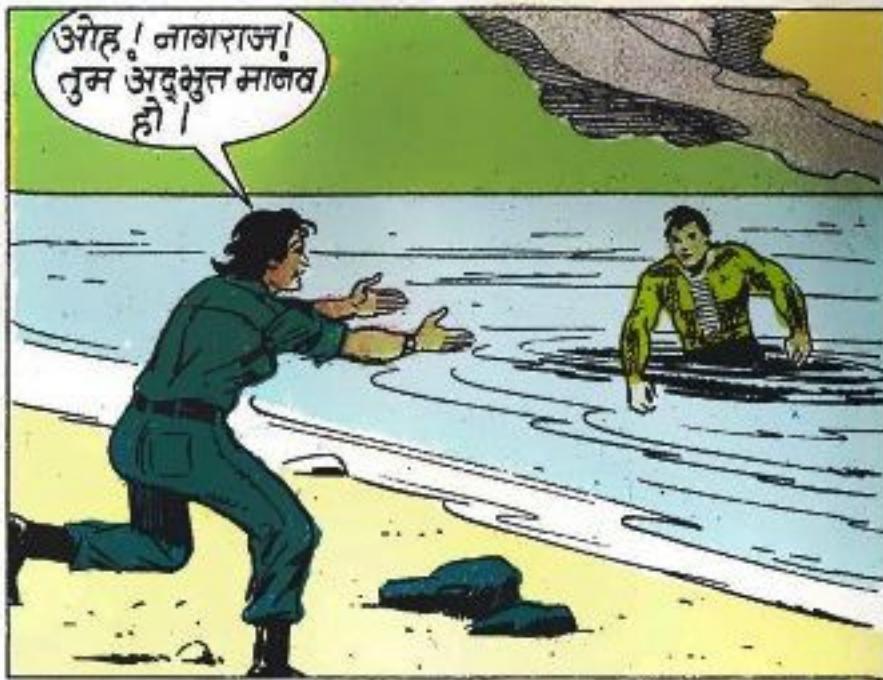
नागराज और लाल मौत



इष्टर यह सारा स्वर्णी तमाशा देखा रखा ने जिसके यसुक के समुद्र में बिरने के बाद हैलीकॉटर चालक को समुद्र किनारे हैलीकॉटर उतारने के लिए मजबूर कर दिया था -



झीझ ही रुक्खा प्रसन्नता से भरी चीख पड़ी -



ओह नागराज !
आज मैं बेहद सुशा हूं
बेहद सुशा !

चलो रुद्रबा! नागराज
का काम अभी स्वतं नहीं हुआ।
दुष्कृदी की जनता के सामने तुम्हें
यहाँ की नयी समाजी
घोषित करना है।

नागराज!
मुझे सत्ता का
भास्तव्य नहीं
है।



और हस प्रकार रुद्रबा को दुष्कृदी का शासन सौंपकर नागराज ने उनसे
विदा भी -



और किर अगले दिन भारत के
स्काहोटल में -

दुष्कृदी की नई समाजी रुद्रबा!
नागराज द्वारा फ़ैतान
वाई.बी.ए.के. फोर्स और यूसुफ
बिन अली स्थान का
स्वातंत्र्य।

